आध्यात्मिक शक्ति ही लायेगी विश्व में शान्ति - केजरीवाल

कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए ब्र.कु. जयंती, दादी जानकी, दादी हृदयमोहिनी, मुख्यमंत्री माननीय अरविंद केजरीवाल, ब्र.कु. बृजमोहन व अन्य।

नई दिल्ली। मानव जीवन और समाज में शान्ति, सद्भावना, सहयोग और समृद्धि का वातावरण पुनर्स्थापित करने के लिए आध्यात्मिक शक्ति की प्राप्ति और प्रयोग ज़रूरी है। अध्यात्म प्रधान देश भारत ही इस दिशा में नेतृत्व प्रदान कर सकता है एवं विश्व शान्ति तथा विश्व बंधुत्व के लिए पहल कर सकता है। उक्त उद्गार दिल्ली के मुख्यमंत्री माननीय अरविंद केजरीवाल ने ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम के ऑडिटोरियम में `राजयोग द्वारा विश्व शान्ति' विषय पर आयोजित एक सार्वजनिक कार्यक्रम में व्यक्त किये।

- **स्नेह और सेवा भाव ही शान्ति का आधार - दादी जानकी**
- **ज्योतिर्बिन्दु आत्मा स्वरूप से ही सर्व गुणों के सागर निराकार परमात्मा की स्मृति आती है-दादी हृदयमोहिनी**
- **शान्ति आत्मा का निजी गुण है जो सदा साथ है - ब्र.कु. शिवानी**

इस अवसर पर ब्रह्माकुमारीज़ की मुख्य प्रशासिका दादी जानकी ने अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में कहा कि मानव का सबसे बड़ा शत्रु देह अहंकार है जिससे काम, क्रोध, लोभ, मोह आदि मनोविकार उत्पन्न होते हैं। वही जीवन में दुःख, अशान्ति एवं सर्व समस्याओं का मूल कारण है। उन्होंने कहा कि जीवन में सच्चा सुख, शान्ति एवं आनंद की अनुभूति के लिए आत्मा-परमात्मा का ज्ञान एवं राजयोग का अभ्यास ज़रूरी है जिससे आपसी स्नेह, सहयोग, भाईचारा एवं सेवाभाव पैदा होता है और वही सुखमय संसार का आधार है। उन्होंने आगे कहा कि राजयोग एक ऐसी सहज, सरल एवं स्वाभाविक प्रक्रिया है जिसे सांसारिक कर्म करते हुए भी किया जा सकता है। ब्रह्माकुमारीज़ की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका दादी हृदयमोहिनी ने अपने आशीर्वचन में कहा कि अपने वास्तविक स्वरूप ज्योतिर्बिन्दु आत्मा और उसके मौलिक गुण जैसे कि पवित्रता, शान्ति, प्रेम, सुख आदि के चिंतन से ही सर्व गुणों के सागर निराकार परमपिता परमात्मा की स्मृति आती है जिससे हमारे अंदर रुहानी शक्ति एवं समर्थी जागृत होते हैं। इन्हीं आत्मिक शक्तियों को ही आध्यात्मिक शक्ति कहा जिसको अपनाकर हम अपने वर्तमान और भविष्य को उज्जवल बना सकते हैं।

एक टॉक शो का आयोजन

इस कार्यक्रम के शीर्षक पर आयोजित एक टॉक शो को सम्बोधित करते हुए सुप्रसिद्ध आध्यात्मिक वक्ता ब्र.कु. शिवानी ने कहा कि शान्ति एक मानसिक स्थिति है जो आंतरिक गुण एवं परमात्म चिंतन से प्राप्त होती है। यह सदा हमारे साथ है न कि बाहर ढूंढ़ने की चीज़ है। ब्रह्माकुमारी संस्था के यूरोप एवं मध्य पूर्व देशों की निदेशिका ब्र.कु. जयंती, संस्था के मुख्य वक्ता ब्र.कु. बृजमोहन आदि ने भी टॉक शो में अपने विचार रखे। कार्यक्रम के आरंभ में रूस देश समूह में स्थित ब्रह्माकुमारी केन्द्रों की निदेशिका ब्र.कु. चक्रधारी दीदी ने संस्था का परिचय दिया तथा स्कूल के बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम द्वारा उपस्थित जनसमूह को आत्मविभोर कर दिया।

सकारात्मक पत्रकारिता द्वारा ही सामाजिक परिवर्तन

पत्रकारों के लिए आयोजित सेमिनार में सम्बोधित करते हुए ब्र.कु. अनुज। मंचासीन हैं ब्र.कु. गंगाधर,माउण्ट आबू, ब्र.कु. मनीषा व ब्र.कु. प्रेम।

नागपुर। सकारात्मक चिंतन पत्रकारों का तनाव दूर करती है, उसके द्वारा सकारात्मक नज़रिया बनता है जिससे पत्रकार समाज में एक सकारात्मक संदेश दे सकते हैं, जिससे उनको भी खुशी होगी और उनका उद्देश्य भी पूरा होगा। ऐसा नागपुर में पत्रकारों के लिए आयोजित सेमिनार में दिल्ली से आये ब्र.कु. अनुज ने कहा। तिलक पत्रकार भवन में आयोजित सेमिनार में पत्रकारों को सम्बोधित करते हुए ब्र.कु. अनुज ने कहा कि शब्द द्वारा संसार बनता है, आप शब्दों से हर जगह नहीं पहुंच सकते लेकिन अपने वायब्रेशन्स द्वारा आप हर जगह पहुंच सकते हैं। शब्द द्वारा ही लोग हमें पहचानते हैं, उससे निकले वायब्रेशन्स द्वारा ही हम खुश और शांत होते हैं। अगर हम अपने अंदर चित्र और शब्द तथा उससे निकलने वाली तरंगों को समझ लें तो इससे आप जल्दी ही समाज को एक नई दिशा देंगे। आपने पत्रकारिता इसीलिए चुनी है ना! क्योंकि उससे आप धन कमाते हैं और उस धन का उपयोग हर चीज़ में होता है। अगर वो नकारात्मक होगा तो उसका प्रभाव भी नकारात्मक होगा। ब्र.कु. गंगाधर,माउण्ट आबू ने कहा कि पत्रकारों को आध्यात्मिक मूल्यों को ज़रूर अपनाना चाहिए, इससे स्व-अनुभूति होगी और परिवर्तन होगा। हमारे यहां का एक स्लोगन है कि सबसे पहले स्वयं का परिवर्तन करो फिर विश्व का परिवर्तन करो। स्व परिवर्तन से ही विश्व परिवर्तन संभव है। साथ ही साथ उन्होंने कहा कि यदि आप तीन दिन का ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आयोजित कोर्स करते हैं तो इससे आपके अंदर परिवर्तन आयेगा। इस सेमिनार में नागपुर सेवाकेन्द्र के मुख्य भाई ब्र.कु. प्रेम प्रकाश ने मंच संचालन किया व ब्र.कु. मनीषा ने सभी को योग की अनुभूति कराई।

कार्यालय- ओम शान्ति मीडिया, संपादक- ब्र.कु.गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़, शान्तिवन, तलहटी, पोस्ट बॉक्स न.- 5, आबू रोड (राज.)- 307510. सदस्यता के लिए सम्पर्क- M - 9414006096, 9414182088,
Email- mediabkm@gmail.com, omshantimedia@bkivv.org, Website- www.omshantimedia.info
सदस्यता शुल्क: भारत - वार्षिक 190 रुपये, तीन वर्ष 570 रुपये, आजीवन 4500 रुपये । विदेश - 2500 रुपये (वार्षिक) कृपया सदस्यता शुल्क 'ओमशान्ति मीडिया' के नाम मनीऑर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेएबल एट शान्तिवन, आबू रोड) द्वारा भेजें।

RNI NO RAJHN/2000/721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/15-17, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2015-17, Posting on 12TH TO 14TH and 22ND TO 24TH each month, published on 5th Nov 2015
संपादक: ब्र.कु.गंगाधर, प्रकाशक: ब्र.कु.करुणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ) के लिए प्रकाशित एवं डी.बी.प्रिंट सॉल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित।